prabhatkhabar.com

प्रभात खबर

लाइफ @ पटना

जर्नलिज्म जिंदगी का

पटना, बुधवार 28.08.2019

पेज 03 अच्छी फिटनेस के लिए...

पेज 04 एक साथ कई प्रोजेक्ट्स ...

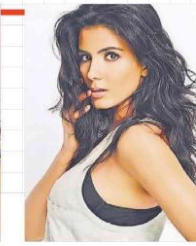

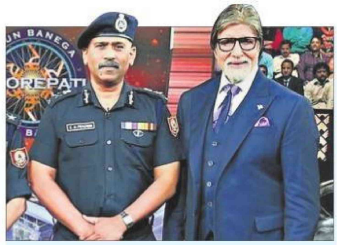

झारखंड कैडर के आइपीएस हैं एसएन प्रधान

अमिताभ बच्चन ने किया था ट्वीट : अमिताभ बच्चन ने एनडीआरएफ के जज्बे व उपलब्धियों को देखते हुए टीम के अधिकारियों व जवानों के साथ फोटो शेयर करते हुए ट्वीट भी किया था. जिसमें उन्होंने लिखा था कि एनडीआरएफ एक शक्ति है, जो प्राकृतिक आपदाओं के दौरान संकट में पड़े लोगों को बचाने के लिए अपनी असीम प्रतिबद्धता के साथ आश्वस्त है. गर्व व सलामी.

आरा के पूर्व एसपी एसएन प्रधान ने केबीसी में जीते 25 लाख रुपये, शहीदों के नाम वीर एकाउंट में किये दान

लाइफ रिपोर्टर@ रांची

एनडीआरएफ के डीजी एसएन प्रधान (सत्यनारायण प्रधान) ने केबीसी (कौन बनेगा करोड़पति) में 25 लाख रुपये जीता. यह राशि उन्होंने शहीद जवानों के नाम करने की बात कही. इसके बाद होस्ट सीट पर बैठे अमिताभ बच्चन ने उक्त राशि भारत के वीर एकाउंट फंड में ट्रांसफर कर दी. श्री प्रधान 1988 बैच के झारखंड कैडर के आइपीएस अधिकारी हैं. फिलवक्त वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर है. इस एपिसोड का प्रसारण केबीसी के कर्मवीर सेक्शन में 30 अगस्त को सोनी टीवी पर रात नौ बजे किया जायेगा. केबीसी में एनडीआरएफ टीम का एपिसोड मुंबई में 24 अगस्त को तैयार किया गया था. इस एपिसोड में शुरू से अंत तक एसएन प्रधान अमिताभ बच्चन के साथ हॉट सीट पर नजर आयेंगे. बता दें कि भारत का वीर एकाउंट शहीदों के आश्रितों की मदद के लिए बनाया गया फंड है.

इस फंड से शहीदों के परिजनों को आर्थिक मदद की जाती है. एसएन प्रधान ने बताया कि केबीसी से निमंत्रण मिलने के समय ही उन्हें यह बता दिया गया था कि रियालिटी शो में जो भी राशि एनडीआरएफ की टीम जीतेगी वह शहीदों के नाम से बनाये गये भारत के वीर एकाउंट में दान की जायेगी. इस पर जब केबीसी प्रबंधन तैयार हुआ, तब मुंबई जाकर इनके नेतृत्व में टीम ने प्रतियोगिता में भाग लिया.

ऑपरेशन महालक्ष्मी की सफलता पर मिला था आमंत्रण

27 जुलाई को मुंबई से करीब 65 किमी दूर बदलापुर-वंगानी रेलवे स्टेशन का रेलवे ट्रैक भारी बारिश के कारण डूब गया था. इसमें महालक्ष्मी एक्सप्रेस फंस गयी थी. इस ट्रेन में करीब 700 यात्री सवार थे. करीब 20 घंटे की मशक्कत के बाद एनडीआरएफ की टीम ने यात्रियों को सुरक्षित लाने में सफलता पायी थी. सदी के महानायक और रियलिटी शो केबीसी के होस्ट अमिताभ बच्चन ने ट्वीट कर एनडीआरएफ टीम को बधाई दी थी. इसके बाद हर शुक्रवार को प्रसारित होनेवाला केबीसी के कर्मवीर सेक्शन में आने के लिए डीजी एनडीआरएफ व उनकी टीम को आमंत्रित किया गया था.

एसएन प्रधान को 2006 में मिला राष्ट्रपति पदक

एसएन प्रधान 1988 बैच के झारखंड कैडर के आइपीएस अधिकारी हैं. मूल रूप से श्री प्रधान ओड़िशा के कटक के रहनेवाले हैं. उन्होंने हैदराबाद विवि से राजनीति शास्त्र में एमए और जेएनयू से इंटरनेशनल रिलेशन में एमफिल किया है. एफीक्वत बिहार में आरा सहित कई जिलों के एसपी रहे. साइबर सिक्यूरिटी और साइबर पीस के क्षेत्र में इन्होंने झारखंड में काफी काम किया. 2006 में इन्हें राष्ट्रपति पदक से नवाजा गया था. दो बार ग्राइम मिनिस्टर सिल्वर कप इजी कंटीशन ऑन पुलिस सब्जेक्ट के लिए भी पुरस्कृत किये गये. इनकी पत्नी विस्मिता तेज 1990 बैच की आइआरएस अधिकारी हैं. वर्तमान में वह कोयला मंत्रालय में ज्वाइंट सेक्रेटरी हैं.

इस बिहारी पेंटर की पेंटिंग देख भावुक हुए पीएम मोदी

साकिब@पटना

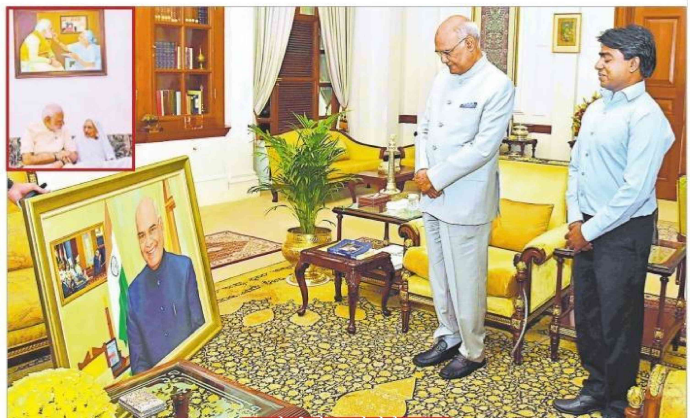

जेटली हमेशा बढ़ाते रहे हौसला

महेश पंडित मूल रूप से बिहार के वैशाली जिले के रहने वाले हैं. पोट्रेट-पेंटिंग में देश भर में नाम कमा रहे महेश का बचपन अभावों में बीता है. छठी क्लास तक पढ़ाई कर चुके महेश बाल मजदूर रह चुके हैं. महज 13 वर्ष की उम्र में पेट पालने के लिए ईंट भट्टे पर मजदूरी कर चुके हैं. 1994 में सिर्फ 14 वर्ष की उम्र में दिल्ली चले गये. लेकिन यहां आकर भी पेट पालना मुश्किल था. महेश बताते हैं कि दिल्ली से गुड़गांव आ गया, यहां अक्सर ट्रेजरी ऑफिस के बाहर बैठा रहता था. एक दिन ट्रेजरी ऑफिस के कुछ बाबुओं ने मुझे यहीं पर चाय का स्टॉल खोलने की सलाह दी. कुछ पैसे भी दिये. उन लोगों की मदद से मैंने चाय बेचना शुरू कर दिया. करीब चार साल तक वहां चाय बेचता रहा. बचपन से मेरे अंदर पेंटिंग बनाने की इच्छा थी लेकिन साधनों के अभाव में बना नहीं पाता.अब मैं कुछ रुपये बचाने भी लगा था. हाथ में पैसे आये तो कागज और कलर खरीदा और काम से फुर्सत मिलते ही पेंटिंग बनाता रहता. एक दिन मेरे मन में ख्याल आया कि अब चाय नहीं बेचना है बल्कि पेंटिंग - पोट्रेट कर ही जीविका चलानी है. बस फिर क्या था मैंने चाय बेचना छोड़ दिया. काफी दिनों तक मेरी इनकम चाय बेचने के दौरान होने वाली इनकम से भी कम रही. एक दिन मैं जिस बरामदे में रहता था वहां कुछ पोट्रेट और पेंटिंग बना रहा था. इसी बीच एक महिला उधर से गुजरी. उन पेंटिंग्स को देख वह काफी प्रभावित हुईं और उन्होंने मुझे 30 पेंटिंग्स बनाने का ऑर्डर दिया. पहली बार मेरी इतनी सारी पेंटिंग्स वह भी अच्छी कीमतों में बिकी थी. इसके कुछ दिनों बाद ही गुड़गांव में लगाये गये एक एग्जीबिशन में मेरी एक पेंटिंग चार हजार में बिकी.

पीएम मोदी के घर पर लगी है इनकी पेंटिंग

2015 में एक दिन अरुण जेटली के घर पर उनका पोट्रेट और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पर बनायी हुई पेंटिंग लेकर चला गया. पेंटिंग में मोदी जी को उनकी मां प्रसाद खिला रही हैं और बैकग्राउंड में एक फोटो लगी हुई है जिसमें वह प्रधानमंत्री पद की शपथ ले रहे हैं. इन्हें देख जेटली काफी खुश हुए. मुझे कहा तुम आज रुको आज तुम्हें मोदी जी से मिलवाते हैं. अपने ड्राइवर को बुलाकर कहा कि महेश को अपने साथ बैठाओ. रात आठ बजे मोदी डिनर पर जेटली जी के घर आये. तब उन्होंने मुझे बुलाकर मोदी जी से मिलवाया. महेश कहते हैं कि मुझे याद है उस पेंटिंग को देखकर मोदी जी भावुक हो गये थे. यह पेंटिंग आज भी गुजरात में मोदी जी की मां के कमरे में लगी हुई है.

महेश जेटली जी को याद करते हुए कहते हैं कि उस दिन के बाद वह हमेशा मेरा हौसला बढ़ाते रहे. मुझे आगे बढ़ाते रहे. मुझसे कहा कि राष्ट्रपति जी का भी पोट्रेट बनाओ. मैंने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का जब पोट्रेट बना लिया तो उनके पास लेकर गया. इसे देख फिर खुश हुए और अपने ऑफिस में रख लिया कहा कि राष्ट्रपति जी से अपाइंटमेंट लेकर तुम्हें मैं खुद लेकर जाऊंगा. लेकिन इससे पहले ही वह काफी बीमार हो गये. इसी बीच उनका किडनी ट्रांसप्लांट भी हुआ. विलंब होता देख एक दिन अपने पीए के साथ मुझे 26 अप्रैल 2018 को राष्ट्रपति भवन भेज दिया. वहां राष्ट्रपति जी को मैंने पोट्रेट भेंट किया. अपना पोट्रेट देख वे बेहद खुश हुए और कहा कि आपको राष्ट्रपति भवन के लिए और काम देंगे. बाद में मैंने राष्ट्रपति भवन के लिए दो और पेंटिंग बनाकर दी इसमें एक गांधीजी तो दूसरी डॉ राजेंद्र प्रसाद की पोट्रेट है. अभी राष्ट्रपति भवन में मेरे बनाये तीन पोट्रेट लगे हुए हैं. महेश बताते हैं कि जेटली जी ने मुझसे दो पेंटिंग और बनवा प्रधानमंत्री को गिफ्ट की. पहली में मोदी जी स्वच्छ भारत का संदेश दे रहे हैं तो दूसरी में गांधी जी की समाधि का दृश्य है. महेश आठ जुलाई 2018 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी उनका पोट्रेट भेंट कर चुके हैं. इसके पीछे की कहानी सुनाते हुए वह कहते हैं कि उन्हीं दिनों नीतीश कुमार दिल्ली आये हुए थे. मैंने जेटली सर से कहा कि सर नीतीश जी का पोट्रेट बनाया है और उन्हें भेंट करना चाहता हूं. उन्होंने तुरंत समय दिला दिया. नीतीश कुमार भी इसे देख काफी खुश हुए और कला की तारीफ की. इससे पहले महेश आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को उनके माता - पिता की पोट्रेट भेंट कर चुके है. इसके साथ ही वह कई अन्य मशहूर हस्तियों को उनका पोट्रेट भेंट कर चुके हैं.

राष्ट्रपति भवन में इनके बनाये ये पोट्रेट हैं लगे हुए

एक बिहारी पेंटर महेश पंडित की कला से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी प्रभावित हो चुके हैं. इनकी कला ने पूर्व वित्तमंत्री अरुण जेटली को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने इनकी बनायी हुई पेंटिंग मोदी जी को भेट की और कई मौके पर इनकी तारीफ कर चुके थे. इनकी तारीफ में उन्होंने एक प्रशंसा पत्र लिखा जिस पर लिखा है कि 'महेश इज एन इमर्जिंग आर्टिस्ट'. इनकी कला देश के कई मुख्यमंत्रियों के कार्यालयों की शोभा बढ़ा रही है. कई नेताओं के ड्राइंग रूम में इनके बनाये पोट्रेट लगे हुए हैं. जेटली जी के निधन से महेश पंडित दुखी हैं. वह कहते हैं कि उनकी वजह से मेरे जैसा आम आदमी भी प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मिल सका. पिछले साल ही मेरी मेरी दो वर्ष की बेटी गंभीर रूप से बीमार हो गयी थी. तब अंतिम उम्मीद के तौर पर मैंने जेटली सर को फोन किया. उन्होंने तुरंत बच्ची को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराने का इंतजाम करा दिया. उनकी वजह से ही बच्ची की जान बच सकी.

आदर्शों का सृजन करता है साहित्य : अशोक

लाइफ रिपोर्टर@पटना

■ 'द लिटरेरी आर्टिस्ट एंड सोसायटी: शेक्सपियर टू ऑसबार्न' का व्याख्यान

पटना. यमन के हौदैदा एवं ताइज विश्वविद्यालय के पूर्व शिक्षक डॉ अशोक कुमार सिन्हा ने शेक्सपियर से लेकर जॉन आसबार्न तक के कालखंडों की बात करते हुए कहा कि साहित्यकार सिर्फ द्रष्टा मात्र बनकर समाज को अपनी कला में प्रतिबिम्बित नहीं करता. वह समाज के आदर्शों का भी सृजन करता है ताकि समाज का अस्तित्व बरकरार रहे. डॉ आरके सिन्हा मेमोरियल कमेटी तथा अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता थे. डॉ सिन्हा ने कहा कि वे पटना विश्वविद्यालय अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ राधा कृष्ण सिन्हा के परम शिष्यों में से एक हैं, जिन्हें लार्ड सिन्हा के नाम से भी जाना जाता था. उनकी स्मृति में ही 'द लिटरेरी आर्टिस्ट एंड सोसाइटी: शेक्सपियर टू ऑसबार्न' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है. व्याख्यान का उद्घाटन कुलपति डॉ रास बिहारी प्रसाद सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया.

उन्होंने डॉ आरके सिन्हा के शिक्षकीय गुणों तथा शोध के प्रति उनके समर्पण को याद किया. साथ ही उन्होंने वर्तमान पीढ़ी के शिक्षकों व छात्र-छात्राओं को उनसे प्रेरणा लेने की सलाह दी. अंग्रेजी के पूर्व अध्यक्ष तथा विद्वान डॉ शैलेश्वर सती प्रसाद ने अंग्रेजी विभाग के योगदान को रेखांकित करते हुए राज्य के लेखकों अवध बिहारी लाल,डॉ कलीमुद्दीन अहमद, डॉ जेपी सिंह, डॉ रवींद्र राजहंस, डॉ अरुण कमल के संबंध में बताया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष व बीपीएससी के पूर्व सदस्य डॉ शिव जतन ठाकुर उपस्थित थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ शंकर आशीष दत्त ने की. कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान, कुलगीत एवं सरस्वती वंदना से हुई जिसे नेहा, सलोनी, अनामिका और कोमल वर्मा ने प्रस्तुत किया. डॉ आर के सिन्हा मेमोरियल कमेटी के सचिव डॉ समीर कुमार शर्मा ने डॉ आर के सिन्हा के व्यक्तिव पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम का संचालन डॉ अर्जुन कुमार ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सत्यम सोलंकी ने किया. इस अवसर पर बीएन मंडल मधेपुरा के पूर्व कुलपति डॉ केपी सिंह, रांची विवि के डॉ राम भगवान सिंह, डॉ अजय कुमार, अंचित पांडे, अक्षय भारद्वाज, अमन कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्र उपस्थित थे.

गुडमॉर्निंग

अपने मिशन में कामयाब होने का सिर्फ एक ही रास्ता है, किसी भी काम को पूरी लगन के साथ करो.

■ डॉ एपीजे अब्दुल कलाम

इवेंट्स@पटना

■ आइसीआइसीआइ फाउंडेशन का कार्यक्रम,आशियाना दीघा रोड, 1.30 बजे

■ एडवोकेट एसोसिएशन की पीसी, लाइब्रेरी, हाईकोर्ट, 1.30 बजे

■ सवर्ण सेना का सम्मेलन, आइएमए हॉल, 1 बजे

■ राधा कृष्ण द्वारिका मंदिर की शोभा यात्रा, पश्चिम बोरिंग कैनाल रोड, 4 बजे

■ बिहार डिसेबल्ड स्पोर्ट्स एकेडमी का बिहार सम्मान समारोह, स्काडा, 2.30 बजे

● वेटनरी कॉलेज अस्पताल में पशु-पक्षियों के क्रिटिकल बीमारियों का हो रहा इलाज

सांप को ऑक्सीजन देने से लेकर चिड़ियों के खाने की थैली का भी ऑपरेशन

रविशंकर उपाध्याय@पटना

ये चंद ऐसे क्रीटिकल मामले हैं जो इन दिनों पटना के वेटनरी कॉलेज में सफलतापूर्वक पूरे हुये हैं. जानवरों को ओपीडी में लाने के बाद उसे संबंधित विभाग में भेजा जाता है और फिर उसे वहां से गंभीर मामले को ऑपरेशन थियेटर को ट्रांसफर किया जाता है. वेटनरी कॉलेज में सुविधाओं के बढ़ने के बाद यहां न केवल आधुनिक ओटी है बल्कि अल्ट्रासाउंड से लेकर सिटी स्कैन की सुविधा मौजूद है. जहां पर पशु पक्षियों को सफलतापूर्वक उपचार किया जा रहा है.अभी सर्जरी विभाग में कुछ दिनों पहले ही एक बगुला आया तो उसकी चोंच टूटी हुई थी. बगुले ब्रीडिंग सीजन में आपस में लड़ते हैं. इसके कारण चोंच को काफी नुकसान पहुंचा था. एनेस्थीसिया जेली देने के बाद इसकी सर्जरी की गयी. एंटीबायोटिक और पारासेटामोल देने के बाद पांच दिनों में उसकी बीमारी ठीक हो गयी. इसके अलावा एक कछुआ यहां पहुंचा तो उसका इंटेस्टाइन मलद्वार के रास्ते बाहर आ गया था. इसकी भी सफल सर्जरी की गयी. हालांकि अभी जागरूकता की कमी से कम लोग ही यहां आ रहे हैं.

केस-1

दस दिनों पहले पुनाईचक में जख्मी सांप घंटों से तड़प रहा था. जानवरों का रेस्क्यू करने वाले एक एनजीओ के सदस्य असीम राज इसे एयरपोर्ट के पास वेटनरी हॉस्पिटल लेकर आये. सांप के पूंछ में गंभीर घाव था. डॉक्टरों ने एक्स-रे कर घाव के साथ-साथ सांप की हड्डियों को पहुंची क्षति के बारे में जाना. जख्म इंटेस्टाइन के ठीक बगल में था.सांप की पूंछ का दो प्रतिशत हिस्सा ही उसके शरीर से जुड़ा था. डॉक्टरों ने तुरंत सांप का ऑपरेशन करने की तैयारी शुरू कर की. सांप के मुंह में ऑक्सीजन नली डाली गयी.

इसके बाद दर्द निवारक दवा. सांप के घाव को भरने के लिए टांके लगाये गये. दो दिन तक उसे डॉक्टरी देख-रेख में रखा गया. सांप की स्थिति में सुधार होते ही उसे जंगल में छोड़ दिया गया.

केस-2

बोरिंग रोड में कबूतर पालक के द्वारा एक केस यहां पहुंचा. कबूतर के भोजन की थैली में एक्सीडेंटल इंजुरी हो गयी थी. पंखे से टकराकर कटने के बाद उसके खाने की थैली फट गयी तो उससे अनाज बाहर आ रहा था. यहां लाने पर उसे रिपेयर करने का निर्णय लिया गया.

एनेस्थीसिया देकर उसकी सर्जरी की गयी. जिसके बाद कबूतर स्वस्थ होकर वापस गया. एवीएन नामक यह सर्जरी एक रेयर सर्जरी में आती है.

प्रभात खबर खास

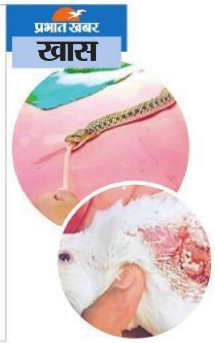

ओपीडी की फीस

● हाथी और अन्य जंगली जानवर	200 रुपये
● कुत्ते-बिल्ली व पक्षी	100 रुपये
● घोड़ा	50 रुपये
● गाय-भैंस	30 रुपये
● भेड़-बकरी, कछुआ	20 रुपये
● मुर्गी व सुअर आदि	10 रुपये

डॉक्टरों ने कहा

सांप, कबूतर और बगुला का सफल ऑपरेशन वेटरनरी कॉलेज में सर्जरी डिपार्टमेंट की डॉक्टर अर्वना कुमारी ने किया. उन्होंने बताया कि यहां सभी आवश्यक सुविधाएं हैं, लोग इससे लाभ उठाएं. कहा कि सांप गंभीर रूप से जख्मी था. सांप के पिछले हिस्से को सर्जरी कर हटाना ही एक मात्र विकल्प बचा था. इसलिए सर्जरी में बहुत सतर्कता बरतनी पड़ी. कुत्ते और कछुए का सफल ऑपरेशन करने वाले डॉ रमेश तिवारी कहते हैं कि बनारस और छपरा से लोग आ जाते हैं लेकिन पटना और इसके आसपास से कम पशुपालक यहां इलाज के लिए आते हैं.